मुझे लगता है कि हम अपनी लाइन और लेंथ को सही से लागू नहीं कर पाए। 250 रनों का पीछा करते समय, आपको एक तय तरीके से आगे बढ़ना होता है। इसलिए, पीछा करते समय हमारा जो अप्रोच था, वह मुझे अच्छा लगा। - श्रेयस अय्यर

भारतीय कप्तान, अपनी टीम की हार को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

किलियन एमबाप्पे

रियल मैड्रिड के स्टार फॉरवर्ड किलियन एमबाप्पे ने यूईएफए चैंपियंस लीग में नया इतिहास रच दिया है। वह इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में 100 मैच खेलने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। एमबाप्पे ने बुधवार को रोम के स्टेडियो ओलिम्पिको में रोमा के खिलाफ रियल मैड्रिड की 4-3 की जीत के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। एमबाप्पे ने 27 साल, नौ महीने और 25 दिन की उम्र में 100 चैंपियंस लीग मैच पूरे किए। उन्होंने अर्जेंटीना के दिग्गज लियोनेल मेसी का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने सितंबर 2015 में रोमा के खिलाफ ही 28 साल की उम्र में इस मुकाम को हासिल किया था।

क्या आप जानते हैं ?... भारत ने1951 एशियाई खेल में 51 पदक जीते थे, जिसमें 15 स्वर्ण, 16 रजत और 20 कांस्य पदक शामिल था।

वेस्टइंडीज के खिलाफ चौथे टी-20 में मिली हार के बाद बोले-

तिलक का विकेट निर्णायक मोड़ रहा : सैमसन

हैदराबाद, 15 अक्टूबर। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भारत की 24 रन की हार के लिए तिलक वर्मा के विकेट को निर्णायक मोड़ बताया। उन्होंने कहा कि पांच विकेट गंवाने के बावजूद तिलक वर्मा और नितीश कुमार रेड्डी की साझेदारी ने भारत को लक्ष्य का पीछा करने की मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया था।

बुधवार को हैदराबाद में खेले गए मुकाबले में शाई होप के शानदार शतक और कीमो पॉल के पांच विकेट की बदौलत वेस्टइंडीज ने भारत को 24 रन से हराया। पांच मैचों की श्रृंखला अब 2-2 से बराबर हो गई है। निर्णायक मुकाबला 17 अक्टूबर को बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा।

तिलक के आउट होने से बदला मैच का रुख

248 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 12वें ओवर में 130 रन पर पांच विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद तिलक वर्मा और नितीश कुमार रेड्डी ने शानदार साझेदारी कर भारत की उम्मीदें जगा दीं। दोनों ने तेजी से रन बनाते हुए समीकरण 19 गेंदों में 48 रन तक पहुंचा दिया। हालांकि, रोमारियो शेफर्ड ने तिलक को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ दिया, जो मैच का निर्णायक मोड़ साबित हुआ। सैमसन ने मैच के बाद पत्रकारों से कहा, तिलक का आउट होना मैच का निर्णायक मोड़ था। हम अच्छी स्थिति में थे और हर ओवर में 10-12 रन की दर से अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे। दबाव की स्थिति में रेड्डी और तिलक बहुत अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे। मुझे लगता है कि उस समय तक हम लक्ष्य का पीछा करने की स्थिति में थे। उन्होंने कहा, पांच विकेट गंवाने के बाद भी इस तरह नियंत्रण बनाए रखना बहुत अच्छी बात है। दो युवा क्रिकेटरों ने दबाव का सामना किया और वेस्टइंडीज के गेंदबाजी आक्रमण पर जवाबी हमला किया।

अपनी पारी से खुश, लेकिन हार से निराश

सैमसन ने भारत की पारी के दौरान 23 गेंदों में 56 रन बनाकर लक्ष्य का पीछा करने की मजबूत नींव रखी। हालांकि, उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत प्रदर्शन अच्छा रहने के बावजूद टीम की हार से वह निराश हैं। उन्होंने कहा, जब आप हारने वाली टीम में होते हैं, तो आप जो भी करते हैं, उसका एहसास बिल्कुल अलग होता है। इस समय मैं काफी निराश हूं। मैं निश्चित रूप से जीतने वाली टीम का हिस्सा बनना चाहता था। मुझे मैदान पर बल्लेबाजी करने में बहुत मजा आया।

सैमसन ने कहा, जब आप इतने बड़े लक्ष्य का पीछा कर रहे होते हैं, तो ज्यादा सोचने का समय नहीं होता। आपको अपनी सहज प्रवृत्ति और बड़े शॉट खेलने की क्षमता पर भरोसा करना होता है। मैंने भी यही किया। मुझे अपनी पारी का आनंद आया, लेकिन मैं चाहता था कि हम मैच जीतें। हैदराबाद में मिली जीत के साथ वेस्टइंडीज ने पांच मैचों की टी20 श्रृंखला 2-2 से बराबर कर दी है। अब दोनों टीमों की नजरें 17 अक्टूबर को बेंगलुरु में होने वाले पांचवें और निर्णायक मुकाबले पर होंगी।

शौने मिलर-उइबो की नजर 400 मी. के विश्व रिकॉर्ड पर

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। दो बार की ओलंपिक चैंपियन बहामास की धाविका शौने मिलर-उइबो ने महिलाओं की 400 मीटर दौड़ का विश्व रिकॉर्ड तोड़ने को अपना अगला बड़ा लक्ष्य बनाया है। उन्होंने कहा कि इस स्पर्धा में लगभग सभी प्रमुख खिताब जीतने के बाद अब वह अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाना चाहती हैं। लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 की तैयारियों में जुटीं मिलर-उइबो ने हालांकि अभी यह तय नहीं किया है कि वह अगले ओलंपिक में 200 मीटर या 400 मीटर में से किस स्पर्धा में उतरेंगी। मिलर-उइबो ने कहा, मैं 400 मीटर में लगभग हर वह खिताब जीत चुकी हूं, जिसे हासिल किया जा सकता है। अब नए लक्ष्य तय करने का समय है। मैं विश्व रिकॉर्ड तोड़ने की कोशिश करना चाहती हूं। पिछले कुछ वर्षों में महिला धाविकाओं ने 48 सेकंड से कम समय में दौड़ पूरी की है। मुझे भरोसा है कि मैं भी ऐसा कर सकती हूं। जब हम लगातार एक-दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करते हैं, तो इससे सभी को बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलती है।

एशियाई खेल 2026 मेडलवीरों से मिले मोदी

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जापान के आइची-नागोया में आयोजित एशियाई खेल 2026 में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारतीय खिलाड़ियों को सम्मानित किया। भारतीय दल ने कुल 85 पदक जीते, जिनमें 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य पदक शामिल हैं। हालांकि, तीन साल पहले हांगझोऊ में जीते गए ऐतिहासिक 106 पदकों की तुलना में यह संख्या कुछ कम रही, फिर भी 2026 का प्रदर्शन ऐतिहासिक था, क्योंकि यह एशियाई खेलों में भारत का अब तक का दूसरा सबसे सफल प्रदर्शन रहा। 15 अक्टूबर को प्रधानमंत्री मोदी ने सभी खिलाड़ियों से मुलाकात की और उनसे बातचीत की। इस दौरान खिलाड़ियों ने उन्हें अपनी हस्ताक्षरित (साइन की हुई) जर्सी और हॉकी स्टिक भेंट की, साथ ही शॉल ओढ़ाकर उनका सम्मान भी किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हाल ही में हुए एशियाई खेल हमारे लिए कई मायनों में यादगार रहे हैं। इतने सारे पदक वीर और उन सबको एक साथ मिलना... ये कोई मामूली बात नहीं है। ये बहुत सुखद एहसास होता है। आप सब युवा एथलीट इस बात के उदाहरण हैं कि जुनून जब जीत में बदलता है तो वो कैसे मेडल के साथ साथ चेहरे की चमक भी लेकर आता है। और देश तो चमकता ही है।

मोदी ने कहा कि हमारी पुरुष और महिला हॉकी, दोनों टीमें यहाँ मौजूद हैं; दोनों ही टीमों ने स्वर्ण पदक जीते हैं। खासकर हमारी महिला हॉकी टीम ने स्वर्ण पदक जीतकर 44 साल के लंबे इंतजार को खत्म किया है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट में, हमारी दोनों टीमों ने लगातार दूसरी बार पदक जीतकर अपने ही पिछले रिकॉर्ड को दोहराया है। कबड्डी में, हमारी पुरुष और महिला, दोनों टीमों ने स्वर्ण पदक जीते हैं। इसी तरह, हमने तीरंदाजी में पाँच स्वर्ण पदक हासिल किए। हमने शूटिंग में शानदार प्रदर्शन देखा, और बॉक्सिंग तथा कुश्ती में भी बड़ी सफलताएँ हासिल कीं। हमारे खिलाड़ियों ने नए रिकॉर्ड बनाए, और हमने 28 साल बाद वेटलिफ्टिंग में भी एक पदक जीता है।

भारतीय टीम को लक्ष्य का पीछा करने के अपने तरीके में सुधार करना होगा : सुनील गावस्कर

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि हैदराबाद में खेले गए चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में वेस्टइंडीज से मिली हार के बाद भारतीय टीम को लक्ष्य का पीछा करने के अपने तरीके में सुधार करना होगा और बल्लेबाजों को अधिक जिम्मेदारी लेनी होगी। भारत बुधवार को खेले गए मैच में संजू सैमसन के तेज अर्धशतक के बावजूद 248 रन के लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाया। गावस्कर ने जियोस्टार से कहा, "भारतीय टीम को सबसे पहले लक्ष्य का पीछा करने के अपने तरीके में सुधार करना होगा। भारतीय बल्लेबाजों को अधिक जिम्मेदारी लेनी होगी। अगर बल्लेबाज जिम्मेदारी नहीं निभाएंगे तो भारतीय टीम को सफलता नहीं मिलेगी।" उन्होंने कहा, "भारतीय बल्लेबाजों को इस तरह से दबदबा बनाना होगा जैसा कि लगातार दो टी20 विश्व कप जीतने वाली टीम को करना चाहिए लेकिन इस मैच में इसकी जरा सी भी झलक देखने को नहीं मिली।" गावस्कर ने कहा कि श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली टीम को सैमसन (56) से मिली शानदार शुरुआत का फायदा उठाना चाहिए था। उन्होंने कहा, "संजू ने भारत को शानदार शुरुआत दी, लेकिन बाकी बल्लेबाज इसका बिल्कुल भी फायदा नहीं उठा पाए। अभिषेक शर्मा ने खराब पारी खेली। उनके स्तर के हिसाब से यह स्वीकार्य नहीं है। ईशान किशन भी कीमो पॉल के जाल में पूरी तरह फंस गए। श्रेयस अय्यर शतक बनाने के बाद लय बरकरार नहीं रख पाए हैं।" वेस्टइंडीज ने तीन विकेट पर 247 रन बनाए लेकिन गावस्कर ने इसके लिए भारतीय गेंदबाजों को दोषी ठहराने से परहेज किया।

मंधाना की अगुवाई में जिम्बाब्वे से पहली द्विपक्षीय टी-20 सीरीज खेलेगा भारत

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। भारत शुक्रवार को यहां जब नवनियुक्त कप्तान स्मृति मंधाना के नेतृत्व में जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के साथ नए युग की शुरुआत करेगा तो उसकी निगाह अपने खेल को और बेहतर बनाने पर होगी। यह पहला अवसर है जबकि भारत और जिम्बाब्वे की महिला टीम द्विपक्षीय श्रृंखला में एक-दूसरे का सामना करेंगी। भारतीय टीम ने हाल में एशियाई स्तर पर अपना दबदबा साबित किया लेकिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट विशेषकर छोटे प्रारूप में उसे अभी काफी सुधार करने की जरूरत है। भारत का टी20 विश्व कप में पिछले दो टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन नहीं रहा था जिससे उसकी कमजोरी भी खुलकर सामने आ गई। टीम को अगर ऑस्ट्रेलिया जैसी टीमों को लगातार चुनौती देनी है तो उसे खेल के तीनों विभाग में सुधार करना होगा। भारत ने पिछले साल अपने घरेलू

मैदान पर ऐतिहासिक वनडे विश्व कप जीता था, लेकिन अगले साल की शुरुआत में घरेलू मैदान पर पहली महिला चैंपियंस ट्रॉफी जीतना उसके लिए आसान नहीं होगा।

अगर भारतीय बल्लेबाजी की बात करें तो मंधाना और शेफाली वर्मा ने टीम को अच्छी शुरुआत दी है लेकिन भारतीय बल्लेबाज बीच के ओवर में संघर्ष करते रहे हैं। भारत को अभी तीसरे नंबर के लिए एक अदद बल्लेबाज की तलाश है। इसके अलावा पूर्व कप्तान हरमनप्रीत कौर की खराब फॉर्म भी चिंता का विषय बनी हुई है।

हरमनप्रीत अब टीम में विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में खेलेगी जिससे उन पर अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव और भी बढ़ जाएगा। भारत को निचले क्रम में ऋचा घोष का साथ देने के लिए कुछ और पावर हिटर तैयार करने की भी जरूरत है। पिछले कुछ समय में भारत का क्षेत्ररक्षण भी अच्छा नहीं रहा है और टीम को इस विभाग में काफी सुधार करने की जरूरत है।

अगर गेंदबाजी विभाग की बात करें तो नंदनी शर्मा का प्रदर्शन सकारात्मक पहलू रहा है। लेकिन अगर संपूर्ण तेज गेंदबाजी आक्रमण की बात करें तो उन्हें अपना प्रभाव छोड़ने के लिए अधिक बेहतर प्रदर्शन करना होगा। स्पिन गेंदबाजी भारत की ताकत रही है, जिसमें युवा श्री चरणी ने शानदार प्रदर्शन किया है।

पैरा एशियाई खेलों में भारत के 168 खिलाड़ी पेश करेंगे चुनौती, अंतिल और लेखरा पर रहेगी निगाहें

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। जापान के आइची-नागोया में 18 से 24 अक्टूबर तक होने वाले पांचवें पैरा एशियाई खेलों में भारत के 168 खिलाड़ी 11 खेलों में चुनौती पेश करेंगे। इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में 45 देशों के खिलाड़ी 19 खेलों में हिस्सा लेंगे। भारत की कोशिश पिछले संस्करण के शानदार प्रदर्शन को दोहराने की होगी, जब उसने चीन के हांगझोऊ में 27 स्वर्ण सहित रिकॉर्ड 108 पदक जीते थे। भारतीय दल में दो बार के पैरालंपिक चैंपियन सुमित अंतिल और अवनी लेखरा भी शामिल हैं। सुमित भाला फेंक की एफ-64 स्पर्धा में और अवनी महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में अपने खिताब का बचाव करने उतरेंगी।

खेलवार भारतीय दल - भारतीय दल में दृष्टिबाधित फुटबॉल के 10, बोच्चिया के दो, पैरा तीरंदाजी के 11, पैरा एथलेटिक्स के 62, पैरा बैडमिंटन के 28, पैरा साइकिलिंग का एक, पैरा जूडो के सात, पैरा पावरलिफ्टिंग के आठ, पैरा निशानेबाजी के 13, पैरा तैराकी के 16 और पैरा टेबल टेनिस के 10 खिलाड़ी शामिल हैं।

विनीसियस जूनियर पर चार मैचों का प्रतिबंध, बार्सिलोना के खिलाफ मुकाबले से रहेंगे बाहर

मैड्रिड, 15 अक्टूबर। रियल मैड्रिड के स्टार फॉरवर्ड विनीसियस जूनियर पर विलारियल के खिलाफ ला लीगा मुकाबले में लाल कार्ड दिखाए जाने के बाद चार मैचों का प्रतिबंध लगाया गया है। इस फैसले के कारण वह इस महीने बार्सिलोना के खिलाफ होने वाले बहुप्रतीक्षित एल क्लासिको मुकाबले में नहीं खेल सकेंगे। स्पेनिश फुटबॉल महासंघ की अनुशासन समिति ने बुधवार को पुष्टि की कि विनीसियस को शनिवार को सैंटियागो बर्नब्यू स्टेडियम में खेले गए मुकाबले के दौरान विलारियल के खिलाड़ी नाथन सलीबा के बाल खींचने के लिए हिंसक आचरण के आरोप में दो मैचों का प्रतिबंध दिया गया है। इसके अलावा, लाल कार्ड दिखाए जाने पर गुस्से में प्रतिक्रिया देने के कारण उन पर दो और मैचों का प्रतिबंध लगाया गया है। यह घटना उस समय हुई, जब विनीसियस ने जूड बेलिंगहैम के पास

पर गोल करके रियल मैड्रिड की बढ़त दोगुनी करने का प्रयास किया। हालांकि, वीडियो सहायक रेफरी की समीक्षा के बाद गोल को रद्द कर दिया गया और बाल खींचने की घटना के लिए विनीसियस को लाल कार्ड दिखाया गया। विनीसियस ने कहा, उनके पास प्रतिबंध की घोषणा करने के लिए पूरा दिन था, लेकिन जैसे ही हम स्टेडियम पहुंचे, मुझे बताया गया कि मैं लीग के अगले चार मैचों में नहीं खेल पाऊंगा। उन्होंने कहा, हमें कभी यह समझाया ही नहीं गया कि बाल खींचने के इस नियम को किस तरह लागू किया जाता है। ला लीगा और रेफरी संघ की ओर से कोई न कोई हमेशा नियम समझाने आता है, लेकिन इस विशेष मामले के बारे में कभी नहीं बताया गया। मेरे लिए यह लाल कार्ड था, बस इतनी-सी बात है। मैंने कभी किसी दूसरे खिलाड़ी के खिलाफ हिंसक व्यवहार नहीं किया। मुझे अक्सर चोट पहुंचाई जाती है, लेकिन कार्ड मुझे ही दिखाए जाते हैं।

डेनमार्क ओपन : त्रीसा-गायत्री की जोड़ी अंतिम-16 में पहुंची, देविका सिहाग बाहर

ओडेंस, 15 अक्टूबर। भारत की त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने बुधवार को डेनमार्क ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट में जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। भारतीय जोड़ी ने महिला युगल के पहले दौर में चीनी ताइपे की यान फेई चेन और हिसएह पेई शान को सीधे गेमों में हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई। वहीं, महिला एकल में देविका सिहाग को हार का सामना करना पड़ा। एसजेएफ बैंक एरिना में खेले गए मुकाबले में त्रीसा और गायत्री ने 38 मिनट में चीनी ताइपे की जोड़ी को 22-20, 21-14 से पराजित किया। भारतीय जोड़ी अब क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए इंडोनेशिया की रेचल अलेसिया रोज और फेबी सेतियानिंगरुम से भिड़ेगी।

रुतुपर्णा-श्वेतपर्णा की जोड़ी हारी

महिला युगल में भारत की एक अन्य जोड़ी को निराशा हाथ लगी। रुतुपर्णा पांडा और श्वेतपर्णा पांडा को चीन की बाओ ली जिंग और काओ जि हान के खिलाफ 14-21, 14-21 से हार झेलनी पड़ी। इस हार के साथ भारतीय जोड़ी का टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया।

देविका सिहाग भी पहले दौर में बाहर

महिला एकल के अंतिम-32 दौर में देविका सिहाग को थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग ने सीधे गेमों में 21-13, 21-14 से हराया। इस हार के साथ देविका की चुनौती समाप्त हो गई।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिये दक्षिण अफ्रीका की टीम में ब्रीट्जके को मौका, स्टब्स बाहर

गक़ेबरहा, 15 अक्टूबर। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के लिए दक्षिण अफ्रीका ने अपनी 17 सदस्यीय टीम में एक बदलाव किया है। ट्रिस्टन स्टब्स की जगह मैथ्यू ब्रीट्जके को टीम में शामिल किया गया है। विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी रयान रिकेल्टन संभालेंगे। दोनों टीमों के बीच दूसरा टेस्ट रविवार से गक़ेबरहा में खेला जाएगा। दक्षिण अफ्रीका को डरबन में खेले गए पहले टेस्ट में 214 रन से हार का सामना करना पड़ा था। मुख्य कोच शुक्री कॉनराड ने कहा कि ब्रीट्जके पहले भी टीम के साथ रह चुके हैं और एकदिवसीय क्रिकेट में उनके शानदार प्रदर्शन ने उन्हें इस बार टीम में जगह दिलाने में मदद की। मैट पहले भी टीम का हिस्सा रह चुके हैं। एकदिवसीय क्रिकेट में उनका प्रदर्शन इस समय बेहद शानदार है, जिससे उन्हें टीम में जगह पाने का अतिरिक्त लाभ मिला। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि मैट अपने साथ जिस रवैये और व्यक्तित्व को लेकर आते हैं, वह टीम के लिए अहम है।

दूसरे टेस्ट के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम - टेम्बा बावुमा (कप्तान), मार्कस एकरमैन, डेविड बेडिंघम, मैथ्यू ब्रीट्जके, कॉर्बिन बॉश, गेराल्ड कोएत्जी, साइमन हार्मर, मार्को यानसन, केशव महाराज, एडेन मार्करम, वियान मुल्डर, सेनुरन मुथुसामी, एनरिक नॉर्खिया, डेन पैटरसन, कगिसो रबाडा, रयान रिकेल्टन और काइल वेरेन।

अंडर-23 ट्रॉफी : हिमाचल-राजस्थान मैच ड्रॉ समाप्त

हिमांशु नेहरा के पांच विकेट

जयपुर, 15 अक्टूबर। अंडर-23 सीके नायडू ट्रॉफी में राजस्थान और हिमाचल प्रदेश के बीच अम्तर में खेला गया मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ। मैच में राजस्थान ने दमदार प्रदर्शन करते हुए पहली पारी में बढ़त हासिल की और हिमाचल प्रदेश को फॉलोऑन खेलने पर मजबूर कर दिया। राजस्थान की ओर से तेज गेंदबाज हिमांशु नेहरा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट अपने नाम किए। राजस्थान ने पहली पारी में 488 रन बनाकर मजबूत स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी हिमाचल प्रदेश की टीम राजस्थान के गेंदबाजों के सामने 314 रन पर सिमट गई। इस तरह राजस्थान को पहली पारी में 174 रन की महत्वपूर्ण बढ़त मिली। राजस्थान की ओर से हिमांशु नेहरा ने 48 रन देकर पांच विकेट झटके, जबकि आयुष अमेरिया ने 76 रन देकर तीन बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। राजीव दुकतवा और प्रणम्य चपलोत ने भी एक-एक विकेट हासिल कर हिमाचल की पारी समेटने में अहम योगदान दिया। 174 रन से पिछड़ने के बाद हिमाचल प्रदेश को फॉलोऑन खेलना पड़ा। दूसरी पारी में टीम ने अंतिम दिन का खेल समाप्त होने तक दो विकेट पर 71 रन बनाए। राजस्थान की ओर से दीपेंद्र सिंह ने एक विकेट हासिल किया। अंतिम दिन निर्धारित खेल पूरा होने के बाद मुकाबला ड्रॉ घोषित कर दिया गया। हालांकि, पहली पारी में बढ़त के लिहाज से राजस्थान ने मुकाबले में अपना दबदबा कायम रखा। हिमांशु नेहरा की पांच विकेट की उपलब्धि राजस्थान के गेंदबाजी प्रदर्शन का प्रमुख आकर्षण रही।

17वीं अखिल भारतीय अंतर-साई कबड्डी प्रतियोगिता 2026-27

महिला वर्ग के समूह-बी में कोल्लम ने जीता स्वर्ण पदक

गांधीनगर, 15 अक्टूबर। 17वीं अखिल भारतीय अंतर-साई कबड्डी प्रतियोगिता 2026-27 के महिला वर्ग में खिलाड़ियों ने महिला वर्ग के समूह-बी में कोल्लम ने स्वर्ण पदक जीता है। यह प्रतियोगिता गुजरात के गांधीनगर में हुई। महिला वर्ग में खिलाड़ियों ने शानदार खेल कौशल, सामूहिक तालमेल और खेल भावना का प्रदर्शन कर पहला स्थान प्राप्त किया। वहीं, कोकराझार खेल प्रशिक्षण केंद्र ने दूसरा स्थान हासिल कर रजत पदक अपने नाम किया, जबकि मयिलादुथुराई खेल प्रशिक्षण केंद्र ने तीसरा स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक जीता। प्रतियोगिता के दौरान टीमों ने प्रभावशाली आक्रमण, मजबूत रक्षण, रणनीतिक समझ और उत्कृष्ट खेल भावना का परिचय दिया। खिलाड़ियों के प्रदर्शन में उनकी मेहनत, अनुशासन और समर्पण स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। यह प्रतियोगिता युवा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने, महत्त्वपूर्ण मुकाबलों का अनुभव प्राप्त करने और उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए अपनी तैयारी मजबूत करने का अवसर प्रदान करती है। ऐसे आयोजन भारतीय खेल प्राधिकरण के अंतर्गत कबड्डी के प्रतिस्पर्धात्मक स्तर को और मजबूत बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

दिल्ली की सीनियर महिला टी-20 टीम घोषित, सोनी यादव को कप्तानी, श्वेता सहरावत उपकप्तान

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) ने घरेलू सत्र 2026-27 की सीनियर महिला टी-20 ट्रॉफी के शुरुआती दो मुकाबलों के लिए 16 सदस्यीय दिल्ली की टीम घोषित कर दी है। सोनी यादव को टीम की कप्तानी सौंपी गई है, जबकि श्वेता सहरावत उपकप्तान के साथ विकेटकीपर की जिम्मेदारी भी संभालेंगी। टीम का चयन 14 अक्टूबर को दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ में आयोजित सीनियर महिला चयन समिति की बैठक में किया गया। चयनित सभी खिलाड़ियों को 15 अक्टूबर को गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज मैदान पर टीम प्रबंधक को रिपोर्ट करना है।

दिल्ली की 16 सदस्यीय टीम - सोनी यादव (कप्तान), श्वेता सहरावत (उपकप्तान एवं विकेटकीपर), प्रिया पुनिया, तनीषा सिंह, प्रज्ञा रावत (विकेट कीपर), नाजमा, भारती रावल, वंशिका लीला, प्रिया मिश्रा, निधि महतो, दिशा नागर, शिवी शर्मा, सुमिति सोनी, मेधावी बिधूड़ी, गोयंका शर्मा और अक्षिता जैन।

चयन समिति की बैठक में ये सदस्य रहे मौजूद - 14 अक्टूबर को हुई चयन प्रक्रिया के दौरान सीनियर महिला चयन समिति की अध्यक्ष रीमा मल्होत्रा, चयनकर्ता स्वर्ण चड्ढा और रानी ओझा मौजूद रहीं। इनके अलावा दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ की क्रिकेट सलाहकार समिति की सदस्य अंजलि शर्मा, मुख्य कोच दीप्ति ध्यानी और सचिव अशोक शर्मा भी बैठक में उपस्थित थे।

श्रीलंका की वनडे टीम में लाहिरू उदारा को मौका, पथुम निसांका बाहर

कोलंबो, 15 अक्टूबर। श्रीलंका के सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका मेडिकल क्लीयरेंस नहीं मिलने के कारण पाकिस्तान में होने वाली त्रिकोणीय वनडे सीरीज में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने गुरुवार को इसकी पुष्टि करते हुए उनकी जगह लाहिरू उदारा को टीम में शामिल किया है। निसांका इंग्लैंड दौरे के दौरान हैमस्ट्रिंग की चोट का शिकार हो गए थे। इसी वजह से वह पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में भी नहीं खेल सके थे। चार अक्टूबर को घोषित वनडे टीम में उन्हें इस शर्त पर शामिल किया गया था कि मेडिकल जांच में फिट घोषित होने के बाद ही वह टीम के साथ यात्रा करेंगे। हालांकि, उन्हें अब तक वापसी के लिए चिकित्सकीय मंजूरी नहीं मिली है।

उदारा ने अभी तक श्रीलंका के लिए वनडे क्रिकेट में पदार्पण नहीं किया है। वह देश के लिए पांच टेस्ट और सात टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं। उन्होंने सितंबर में इंग्लैंड और इस महीने की शुरुआत में पाकिस्तान के खिलाफ तीन-तीन मैचों की टी20 सीरीज में हिस्सा लिया था। पाकिस्तान के खिलाफ पहली टी20 अंतरराष्ट्रीय भिड़ंत में उदारा ने 91 रन की शानदार पारी खेली थी। यह इस प्रारूप में उनका पहला अर्धशतक से बड़ा स्कोर था। इससे पहले वह टेस्ट क्रिकेट में भी अपनी बल्लेबाजी का दम दिखा चुके हैं। उन्होंने जुलाई 2026 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 188 रन की पारी खेलकर टेस्ट में अपना पहला शतक लगाया था।

निसांका को पाकिस्तान के खिलाफ नौ नवंबर से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए श्रीलंका की 15 सदस्यीय टीम में भी जगह मिली है। हालांकि, इस सीरीज में उनकी भागीदारी भी फिटनेस पर निर्भर करेगी। पाकिस्तान, श्रीलंका और इंग्लैंड के बीच त्रिकोणीय वनडे सीरीज 18 अक्टूबर से शुरू होगी। सीरीज का फाइनल मुकाबला 31 अक्टूबर को खेला जाएगा।

ओलंपिक चैम्पियन सिफान हसन न्यूयॉर्क मैराथन से हटी, बीमारी के कारण तैयारी प्रभावित

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। पेरिस ओलंपिक की मैराथन चैंपियन नीदरलैंड की सिफान हसन ने पर्याप्त तैयारी नहीं कर पाने के कारण न्यूयॉर्क सिटी मैराथन से नाम वापस ले लिया है। उन्होंने गुरुवार को सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए कहा कि बीमारी के कारण उनका अभ्यास प्रभावित हुआ और वह अपनी उम्मीदों के मुताबिक तैयारी नहीं कर सकीं। हसन ने लिखा, मैं और मजबूत होकर वापसी करने के लिए बहुत

उत्साहित थी, लेकिन बीमारी ने मेरे प्रशिक्षण की रफ्तार धीमी कर दी। मैं उस स्थिति में नहीं हूं, जहां मैं होना चाहती थी। उन्होंने आगे कहा, कभी-कभी चीजें योजना के मुताबिक नहीं होतीं। हसन ने पेरिस ओलंपिक 2024 में मैराथन का स्वर्ण पदक जीता था। इससे पहले उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में पांच हजार और दस हजार मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक अपने नाम किए थे। वह नीदरलैंड का प्रतिनिधित्व करती हैं। हसन पिछले साल न्यूयॉर्क के पांचों नगर क्षेत्रों से गुजरने वाली मैराथन में दौड़ी थीं और छठे स्थान पर रही थीं। उसके बाद से उन्होंने किसी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया है।

सागरमल मेहता मेमोरियल बैडमिंटन चैम्पियनशिप आज से

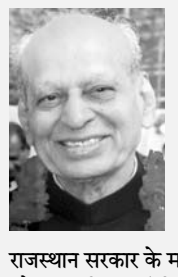

जयपुर, 15 अक्टूबर। राजस्थान हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के तत्वावधान में तृतीय सागरमल मेहता मेमोरियल बैडमिंटन चैंपियनशिप का आयोजन 16 से 18 अक्टूबर तक सवाई मानसिंह स्टेडियम स्थित बैडमिंटन हॉल में किया जाएगा। प्रतियोगिता में न्यायाधीशों एवं अधिवक्ताओं सहित पुरुष और महिला अधिवक्ता खिलाड़ी विभिन्न आयु वर्गों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। राजस्थान हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव सोगरवाल एवं महासचिव दीपेश शर्मा ने बताया कि स्वर्गीय सागरमल मेहता राजस्थान सरकार के महाधिवक्ता रहे थे। उनकी स्मृति में आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्देश्य न्यायिक एवं विधिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करना तथा खेल भावना को बढ़ावा देना है। प्रतियोगिता में पुरुष एवं महिला वर्ग के विभिन्न आयु वर्गों में एकल, युगल और मिश्रित युगल मुकाबले खेले जाएंगे। प्रतियोगिता का उद्घाटन 16 अक्टूबर को शाम 5:30 बजे हाई कोर्ट के न्यायाधीश महेन्द्र गोयल द्वारा किया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी एवं मेडल देकर सम्मानित किया जाएगा।